

भाकृअनुप-अटारी कानपुर द्वारा में कृषि विज्ञान केन्द्रों की मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला का आयोजन

दि. 10 दिसम्बर 2020 को भाकृअनुप अटारी जोन-3 कानपुर में कृषि विज्ञान केन्द्रों की दो दिवसीय मध्यावधि समीक्षा कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा. डी.आर. सिंह, कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति महोदय द्वारा मुरादाबाद जिले के प्रगतिशील किसान श्री रघुपत सिंह एवं बांदा जिले के किसान श्री विज्ञान शुक्ला को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्राप्त पुरस्कार के प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने कहा कि देश स्तर पर कृषि विज्ञान केन्द्रों की चर्चा होती है। कृषि विज्ञान केन्द्रों ने महामारी के दौरान सक्रिय रहकर कार्य किया है। आज पूरी दुनिया में महामारी में अर्थव्यवस्था ऋणात्मक अंकों में पहुँच चुकी है वहीं भारतीय कृषि का विकास दर 3.5 प्रतिशत रहा। इसके लिये केवीके ने रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य किया है। खरीफ में 8 से 9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वर्ष से गेहूँ का उत्पादन भी बढ़ा। जिसके अन्तर्गत कानपुर क्षेत्र में भी 12 से 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मजदूरों का अभाव नहीं रहा अतः क्षेत्रफल बढ़ा। आनलाइन माध्यम से भी कार्य किया गया। कोविड-19 अवधि में विशेष मुद्दों पर आनलाइन चर्चा कर के भी समाधान निकाला गया। प्रवासी मजदूरों को प्रशिक्षण देकर मनरेगा के अन्तर्गत कार्य भी दिया गया। केवीके ऐसी संस्थान हैं जिनकी देश स्तर पर पहचान है, कृषि संबंधित कोई भी प्रमुख कार्य सबसे पहले कृषि विज्ञान केन्द्रों को दिया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र सीधे किसानों से जुड़े रहते हैं। हमें 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस एक वर्ष में हमें इतना काम करना है कि हजारों की संख्या में किसानों की आय दोगुनी हो एवं इसका लेखांकन करके एक पुस्तक प्रकाशित की जाए जिसके माध्यम से जानकारी दी जाये कि किस प्रकार और कितने किसानों की आय में वृद्धि हुई। प्रत्येक जिले से 5-6 अभिनव किसान चिन्हित करें। कृषि में जो नवाचार हुए हैं उनका भी संकलन किया जाए। युवा पीढ़ी को आर्या परियोजना के माध्यम से कृषि की ओर आकर्षित किया जा रहा है। महिलाओं को भी कृषि में प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सरकार की 'संकल्प से सिद्धी' योजना काफी लाभप्रद है। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों की सफलता की कहानी को देश के सामने लायें। मीडिया कवरेज मिलने से किसानों का प्रोत्साहन भी होगा। कृषि को उद्योग से जोड़कर किसानों की आय वृद्धि में तेजी से गति मिलेगी। एफ.पी.ओ. में 300 किसानों का एफ.पी.ओ. बना सकते हैं। हमारा लक्ष्य है कि किसान कुशल व्यवसायी भी बनें। 2021 में केवीके प्रगतिशील किसानों के सहयोग से हैंगिंग मशरूम प्रोडक्शन, न्यूट्री किचेन गार्डन और सब्जी की रूफ गार्डनिंग को बढ़ावा दें।

अटारी कानपुर के निदेशक डा. अतर सिंह ने मुख्य अतिथि कुलपति महोदय और अन्य विशेषज्ञों का स्वागत किया और कहा कि लाकडाउन अवधि में व लाक डाउन खुलने के बाद कृषि विज्ञान विज्ञान केन्द्रों ने काफी सराहनीय कार्य किया।

निदेशक प्रसार डा. धूम सिंह ने कहा कि सी.एस.ए. विश्वविद्यालय द्वारा 11000 पौधों का वितरण भी किसानों को किया गया है।

उद्घाटन सत्र में डा. शान्तनु कुमार दुबे प्रधान वैज्ञानिक ने सब का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र के समापन पर प्रधान वैज्ञानिक डा. राघवेंद्र सिंह ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यशाला में अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक डा. साधना पाण्डेय, डा. शान्तनु कुमार दुबे, डा. राघवेंद्र सिंह, सी.एस.ए. कानपुर, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय एवं एन.जी.ओ. कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्ष, निदेशक प्रसार, एवं अन्य विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

Midterm Review workshop of KVKs in ICAR-ATARI, Kanpur

On December 10, 2020, two-days Midterm review workshop of Krishi Vigyan Kendra in ICAR Zone-III, Kanpur was inaugurated by Chief Guest Dr. D.R. Singh, Hon'ble Vice Chancellor, Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur. On this occasion, the Vice Chancellor honored the progressive farmer Mr. Raghupat Singh of Moradabad district and Mr. Vigyan Shukla, farmer of Banda district.

On this occasion, the Honorable Vice Chancellor said that Krishi Vigyan Kendras are discussed at the country level. Krishi Vigyan Kendras have worked actively during the epidemic. Today, the economy has reached negative during the epidemic in the world, while the growth rate of Indian agriculture was 3.5%. For this, KVK has acted like a backbone. Kharif sowing increased by 8% to 9%. Wheat production also increased during last year and even in Kanpur region it grew by 12 to 16%. There was no shortage of laborers, so the area under sown crop increased. Work was also done through online medium. During the Covid-19 period, special issues were also discussed online and solutions were worked out. Work was also given under MNRREGA by training to migrant laborers. KVKs are institutions that are recognized at the country level, any major work related to agriculture is first given to Krishi Vigyan Kendras. Krishi Vigyan Kendras are directly connected to farmers. We aim to double farmers' income by 2022. In this one year we have to do so much work that the income of farmers in the thousands is doubled and after accounting for it, a book should be published through which information can be given on how and how many farmers' income increased. He emphasized to Identify 5-6 innovative farmers from each district. The innovations that have taken place in agriculture should also be compiled. The younger generation is being drawn towards agriculture through ARYA Project. Women are also being encouraged in agriculture. The 'Sankalp se Siddhi' scheme of the government is quite beneficial. Bring the success story of the farmers to the country through print and electronic media. The media coverage will also encourage farmers. By linking agriculture with industry, the income growth of farmers will be accelerated. 300 farmers will be included in a FPO. Our aim is that farmers also become skilled businessmen. Promote Hanging Mushroom Production, Nutri Kitchen Garden and Vegetable Roof Gardening in collaboration with KVK Progressive Farmers in 2021.

Dr. Atar Singh, Director, ATARI Kanpur, welcomed the Chief Guest Vice Chancellor and other experts and said that the Krishi Vigyan Vigyan Kendras did a commendable job during the lockdown period and after the lockdown opened.

Director Prasar Dr. Dhoom Singh said that CSA The university has also distributed 11000 plants to farmers.

Dr. Shantanu Kumar Dubey, Principal Scientist welcomed everyone in the inaugural session. At the conclusion of the inaugural session, Principal Scientist Dr. Raghavendra Singh thanked everyone.

ATARI Kanpur Director Dr. Atar Singh, Principal Scientist Dr. Sadhana Pandey, Dr. Shantanu Kumar Dubey, Dr. Raghavendra Singh, Director Extensions & KVK Heads of CSA Kanpur, Banda University of Agriculture and Technology and N.G.O. and other experts were present.

